संपादकीय

आतंक की वापसी

अमेरिका व नाटो सेनाओं की वापसी के कुछ ही दिनों बाद काबुल में निर्वाचित सरकार का पतन और तालिबान का कब्जा पूरी दुनिया को स्तब्ध करने वाला है। अफगानिस्तान में यह मानवीय संकट कितना भयावह है, काबुल हवाई अड्डे पर लोगों की देश से बाहर निकलने वाली भीड़ की बेताबी से इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है। रक्त रंजित अतीत वाले तालिबान के भय से लोग अमेरिकी सैन्य जहाजों के पहियों पर लटक कर भाग जाने को बेहतर समझ रहे हैं, कुछ की आसमान से गिरकर मौत भी हो चुकी है। पूरा अफगानिस्तान असुरक्षा से भयाक्रांत है और जिनके पास बाहर निकलने के लिये कोई साधन नहीं हैं वे घरों में कैद हो गये हैं। लूटपाट और हिंसा की खबरें आ रही हैं। खासकर कामकाजी महिलाएं घरों में कैद हो गई हैं और स्कूल-कालेज बंद हो चुके हैं। दशकों से विश्व की महाशक्ति यों की शतरंजी चालों का केंद्र बने अफगानिस्तान में रक्त पात का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अफगान राष्ट्रपति अशरफ गनी पर आरोप लग रहे हैं कि वे अपनी जनता को संकट में छोड़कर विदेश भाग गये हैं। लेकिन दुनिया को वह दौर याद होगा जब वर्ष 1996 में सत्ता पर काबिज होते वक्त तालिबान ने पूर्व राष्ट्रपति नबीबुल्लाह को संयुक्त राष्ट्र परिसर में शरण लेने के प्रयास के वक्त बाहर खींचकर क्रूरता से मार दिया था। तालिबान के रक्त पात व हिंसा के इतिहास को देखते हुए लोगों में इतना भय है कि वे भागने के तमाम विकल्पों पर किस्मत आजमा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र भी पड़ोसी राष्ट्रों से शरणार्थियों के लिये सीमा खुली रखने की अपील कर रहा है, लेकिन हकीकत बेहद जटिल बनी हुई है। इस्लामिक कानूनों की कठोर व्याख्या करने वाले तालिबान के आने वाले शासन को लेकर अविश्वास व भय का वातावरण बना है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पिछले दो दशक में अफगान महिलाओं ने लैंगिक समानता, शिक्षा व कार्य के जो अधिकार हासिल किये थे, वे एक झटके में समाप्त हो जाएंगे।

हालांकि, तालिबान वैश्विक जनमत पाने के लिये महिलाओं के अधिकारों व शिक्षा पाने के हक की वकालत कर रहा है, लेकिन उनके अतीत को देखकर विश्वास नहीं होता। इस्लामिक कानूनों की कठोर व्याख्या करने वाले तालिबान से उदार रवैये की उम्मीद कम ही है। यदि अंतर्राष्ट्रीय दबाव बढ़ता है तो ही बेहतर हालात की उम्मीद की जा सकती है। फिलहाल दुनिया अफगानिस्तान के कट्टरपंथियों के हाथ में चले जाने से स्तब्ध है। खासकर भारत जैसे देश तो अधिक व्यथित हैं, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के संवर्धन में लगे थे। एक उदारवादी लोकतांत्रिक ताकत के रूप में भारत ने अफगानिस्तान में शिक्षा, सिंचाई, बिजली के वैकल्पिक साधनों तथा लोकतांत्रिक प्रतीकों को स्थापित करने के लिये जो अरबों डॉलर खर्च किये थे, उसके बट्टेखाते में जाने की आशंका बलवती हुई है। ऐसा करके भारत ने आम अफगानियों का तो दिल जीता, लेकिन पाकपरस्त तालिबान से कोई उम्मीद बेमानी है। अफगानिस्तान के विकास में लगी दुनिया की प्रतिभाएं जिस तरह से पलायन कर रही हैं, उन्हें रोकने की कोशिश तो तालिबान सभ्यता में नहीं है। भारत ही नहीं दुनिया के तमाम मुल्कों के वे लोग काबुल से बाहर निकलने की कोशिश में हैं जो अफगानिस्तान के विकास कार्यक्रमों में जुटे थे। भारत को याद है कि कंधार विमान अपहरण कांड के अलावा भारतीय दूतावास पर गाहे-बगाहे होने वाले हमलों में तालिबान की कैसी भूमिका रही है। भारत जैसे शांतिप्रिय देशों की सबसे बड़ी चिंता यह है कि यदि अफगानिस्तान आतंक की नई पाठशाला बनता है तो दुनिया के लोकतांत्रिक देशों को आतंक की नई लहर का सामना करना पड़ सकता है। यह चिंता तालिबान से दोस्ती का हाथ बढ़ाने वाले चीन व रूस की भी है क्योंकि उनके कुछ राज्यों में मुस्लिम चरमपंथी युद्ध छेड़े हुए हैं, जिन्हें तालिबान का साथ मिलने से उनकी चुनौती भयावह हो सकती है। ऐसी चिंता भारत की कश्मीर को लेकर भी है, जहां पाकिस्तान की मदद से तालिबान पटरी पर आती व्यवस्था को

चीनी मिलों पर किसानों का 8909 करोड़ रुपये बकाया

नईदिल्ली। चीनी के निर्यात और गन्ने से एथनॉल बनाने में बढ़ोतरी से किसानों को गन्ना मूल्य भुगतान में तेजी आई है इसके बावजूद किसानों का चीनी मिलों पर 8,909 करोड़ रुपये का बकाया है।

वर्तमान चीनी सत्र 2020-21 में चीनी मिलों ने लगभग 90,872 करोड़ रूपये के गन्ने की खरीद की गई जो अभी तक का रिकॉर्ड है। इसमें से लगभग 81,963 करोड़ रुपये के गन्ना बकाये का किसानों को भुगतान कर दिया गया और 16 अगस्त तक किसानों का चीनी मिलों पर 8,909 करोड़ रूपये का बकाया

है। पिछले चीनी सत्र 2019-20 में लगभग 75,845 करोड़ रूपये के देय गन्ना बकाये में से 75,703 करोड़ रूपये का भुगतान किया गया और सिर्फ 142 करोड़ रूपये का बकाया लंबित है।

खाद्य एवं आपूर्ति मंत्रालय के अनुसार सरकार गन्ना किसानों के गन्ना बकाये का समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने और कृषि अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अतिरिक्त चीनी के निर्यात और चीनी को एथनॉल में परिवर्तित करने को प्रोत्साहन देने के लिए सक्रियता के साथ कदम उठा रही है। पिछले कुछ वर्षो में देश में चीनी का उत्पादन घरेलू खपत से ज्यादा रहा है। केन्द्र सरकार चीनी मिलों को सरप्लस चीनी को एथनॉल में परिवर्तित करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है और चीनी के निर्यात को सहज बनाने के लिए चीनी मिलों को वित्तीय प्रोत्साहन उपलब्ध कराया है जिससे उनकी लिक्विडिटी की स्थिति में सुधार हो और उन्हें गन्ना किसानों के गन्ना मूल्य के समयबद्ध भुगतान में सक्षम बनाया जा सके।

पिछले तीन सत्रों 2017-18, 2018-19 और 2019-20 में क्रमशः लगभग 6.2 लाख टन (एलएमटी), 38 एलएमटी और 59.60 एलएमटी चीनी का निर्यात किया गया। वर्तमान चीनी सत्र 2020-21 (अक्टूबर-सितंबर) के दौरान सरकार ने चीनी के 60 एलएमटी निर्यात को सुगम बनाने के लिए 6,000 रुपये प्रति टन की दर से सहायता उपलब्ध करा रही है। कुल 60 एलएमटी के निर्यात लक्ष्य की तुलना में लगभग 70 एलएमटी के अनुबंधों पर हस्ताक्षर हो चुके हैं । चीनी मिलों से 60 एलएमटी से ज्यादा चीनी का उठान हो चुका है और 16 अगस्त तक 55 एलएमटी से ज्यादा का निर्यात हो चुका है।

कुछ चीनी मिलों ने आगामी चीनी सत्र 2021-22 में निर्यात के लिए अग्रिम अनुबंधों पर हस्ताक्षर भी किए हैं। चीनी के निर्यात से मांग-आपूर्ति का संतुलन बनाए रखने और चीनी की घरेलू एक्स-मिल कीमतों को स्थिर रखने में सहायता मिली है।

अतिरिक्त चीनी की समस्या का स्थायी समाधान खोजने के क्रम में, सरकार चीनी मिलों को अतिरिक्त गन्ने से एथनॉल बनाने को प्रोत्साहित कर रही है जिसे पेट्रोल के साथ मिलाया जाता है।

ओएनजीसी ने उत्पादन बढ़ाने के लिए आमंत्रित की निविदा

नईदिल्ली। तेल एवं प्राकृतिक गैस उत्पादन कंपनी ओएनजीसी ने तेल और गैस के कम उत्पादन वाले क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने के लिए निविदा आमंत्रित की है।

ओएनजीसी ने जारी बयान में बताया कि गुजरात, असम, तमिलनाडु एवं आंध्र प्रदेश में तेल एवं गैस के कम उत्पादन वाले क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने को साझीदार बनाने के उद्देश्य से निविदा आमंत्रित की गई है। इस निविदा में केवल एक पात्र कंपनी या कई कंपनियों का समूह इन क्षेत्रों के लिए बोली लगा सकेंगे।

इस आशय की निविदा 03 दिसंबर 2021 को ई-बिडिंग पोर्टल के माध्यम से आमंत्रित की जाएगी। निविदा पूर्व कॉन्फ्रेंस का आयोजन 20 अक्टूबर को किया जाएगा। पत्र के माध्यम से इसकी सूचना दे दी जाएगी। इन तेल एवं गैस क्षेत्रों के बारे में विशेश जानकारी एवं आंकड़ों के बारे में जानने को इच्छुक हैं वे डाटा पैकेज खरीद सकते हैं। कंपनी ने बताया कि कम उत्पादन वाले क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने के लिए साझीदार बनने वाली कंपनियों को हाइड्रोकार्बन का मूल्य निर्धारित करने एवं विपणन की आजादी होगी। साझेदारों का चयन रेवेन्यू शेयरिंग के आधार पर किया जाएगा।

फीबा एशिया कप 2021 के फाइनल क्वालीफाइंग दौर में मेजबान सऊदी अरब से भिड़ेगा भारत

नईदिल्ली। भारतीय बास्केटबॉल टीम शुक्रवार को सऊदी अरब के जेद्दा में फीबा (अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल महासंघ) एशिया कप 2021 क्वालीफायर के अंतिम दौर में मेजबान सऊदी अरब से भिड़ेगी।

भारत और सऊदी अरब दोनों जीत की शुरुआत की तलाश में होंगे, क्योंकि समूह में केवल शीर्ष-दो में रहने से ही उनका अगले साल जुलाई में जकार्ता में होने वाले मुख्य फीबा एशिया कप 2021 टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करना सुनिश्चित होगा। भारत और सऊदी अरब के साथ फिलिस्तीन को भी ग्रुप एच में रखा गया है।

उल्लेखनीय है कि भारत और सऊदी अरब दोनों ही क्वालीफायर के पहले दौर के दौरान मुख्य प्रतियोगिता के लिए टिकट पक्की करने में विफल रहे थे। दोनों ग्रुप डी और ग्रुप ई में क्रमशः चार टीमों में से तीसरे स्थान पर रहे थे, हालांकि तीसरे स्थान पर रहने से दोनों टीमों को चालिफायर के अंतिम दौर में मुख्य प्रतियोगिता के लिए स्थान सुनिश्चित करने का मौका मिलेगा।

भारत ने फरवरी में इराक पर 81-78 से जीत के साथ पहले दौर में तीसरा स्थान हासिल किया था। विश्व की 78वें नंबर की बॉस्केटबॉल टीम भारत पसंदीदा टीम के रूप में शुरुआत करेगा, क्योंकि विशेष भृगुवंशी की अगुवाई वाली भारतीय टीम दुनिया की 87वें नंबर की टीम सऊदी अरब से ऊपर है। ग्रुप की तीसरी टीम फिलिस्तीन 83वें स्थान पर है।

समझा जाता है कि प्रिंसपाल सिंह की गैरमौजूदगी में भी भारत ने अमज्योत सिंह गिल, मुईन बेक हफीज, अमृतपाल सिंह और अरविंद अन्नादुरई जैसे खिलाड़ियों के साथ एक मजबूत टीम बनाई है, हालांकि भारत के मुख्य कोच वेसलिन मैटिक को सऊदी अरब टीम के मोहम्मद अलसुवाइलेम, मुसाब तारिक एम कादी, खालिद अब्देल गबर और अयूब अलहासावी से सावधान रहने की जरूरत है।

सोने की हॉलमार्किंग के खिलाफ ज्वैलर करेंगे सांकेतिक हड़ताल

नईदिल्ली। देश भर के आभूषण विक्रेता सोने के आभूषणों की अनिवार्य हॉलमार्किंग के 'मनमाने ढंग से कार्यान्वयन' के खिलाफ 23 अगस्त को सांकेतिक हड़ताल करेंगे। अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद (जीजेसी) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी है।

जीजेसी ने दावा किया कि हड़ताल को, देश के प्रत्येक हिस्से में स्थित रत्न एवं आभूषण उद्योग के 350 संघों और महासंघों द्वारा

समर्थन दिया जाएगा। स्वर्ण आभूषणों की 16 जून से चरणबद्ध तरीके से हॉलमार्किंग करना अनिवार्य किया गया है। सरकार ने पहले चरण के कार्यान्वयन के लिए 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 256 जिलों की पहचान की है।

सोने की हॉलमार्किंग, कीमती धातु की शुद्धता का प्रमाणीकरण होता है। यह अब तक स्वैच्छिक रूप से किया जाता था।

जीजेसी के पूर्व अध्यक्ष अशोक मीनावाला ने एक बयान में कहा, ''एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल, एचयूआईडी (हॉलमार्क विशिष्ट पहचान संख्या) के मनमाने ढंग से कार्यान्वयन के खिलाफ हमारा शांतिपूर्ण विरोध है, जो कानून अव्यावहारिक और असंभव है।

रक्षाबंधन विशेषः राखी की थाली को इन तरीकों से सजाएं, लगेगी बेहद खूबसूरत

वैसे तो आजकल मार्केट में तरह-तरह की सजावट वाली राखी की थालियां उपलब्ध हैं, लेकिन अगर बहनें चाहें तो उनसे भी खूबसूरत थाली घर पर बना सकती हैं। राखी की थाली को सजाने के लिए उन्हें मार्केट से क्राफ्ट का सामान लाना होगा और फिर आसानी से वे थाली को सजा सकती हैं। आइए आज हम कुछ ऐसे बेहतरीन आइडियाज बताते हैं जिन्हें अपनाकर बहनें राखी की थाली को आसानी से सजा सकती हैं।

क्राफ्ट पेपर, रिबन और आर्टिफिशियल फूल से सजाएं थाली- एक डिजाइनर क्राफ्ट पेपर, एक पतला गोल्डन रिबन और दो-तीन आर्टिफिशियल फूल। थाली को सजाने का तरीकाः सबसे पहले एक स्टील की थाली के अंदर अपने पसंदीदा डिजाइनर क्राफ्ट पेपर को फेविकोल से चिपकाएं। अब थाली के किनारे पर पतला गोल्डन रिबन चिपकाएं। इसके बाद थाली के ऊपर दो या फिर तीन आर्टिफिशियल फूल चिपकाएं। अंत में थाली को कुछ देर के लिए पंखे के नीचे छोड़ दें ताकि फेविकोल अच्छे से सूख जाए।

कपड़े और गोटे के इस्तेमाल से सजाएं थाली- पसंदीदा रंग और डिजाइन वाला एक कपड़ा और एक मीटर गोटा। थाली को सजाने का तरीकाः सबसे पहले एक स्टील की थाली के अंदर अपने पसंदीदा डिजाइन और रंग वाले कपड़े को फेविकोल से चिपकाएं। ध्यान रखें कि थाली को सजाने के लिए सूती कपड़े या फिर ऐसे कपड़े का इस्तेमाल करना है जो थाली पर आसानी से चिपक जाए। इसके बाद थाली के किनारे पर गोटा पट्टी चिपकाकर इसे कुछ देर के लिए पंखे के नीचे रख दें।

एक वेलवेट का कपड़ा और मोती की लड़ी। थाली को सजाने का तरीकाः सबसे पहले थाली के अंदर अपनी पसंद अनुसार एक वेलवेट का कपड़ा फेविकोल से चिपकाएं। अब थाली के अंदर के किनारे और थाली के बाहरी हिस्से पर मोती की लड़ी चिपकाएं।

कंगना ने शुरू किया बतौर प्रोड्यूसर अपनी पहली फिल्म पर काम

कंगना रनौत पिछले काफी समय से अपने होम प्रोडक्शन की पहली फिल्म टीकू वेड्स शेरू को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके जरिए कंगना पहली बार प्रोडक्शन की दुनिया में अपने हाथ आजमाने जा रही हैं। उनकी हर फिल्म की तरह इस फिल्म का भी दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। खबर है कि कंगना ने अपनी इस फिल्म पर काम शुरू कर दिया है और जल्द ही इसकी शूटिंग भी शुरू हो जाएगी।

कंगना ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपने प्रोडक्शन

हाउस के ऑफिस की तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें कंगना के साथ उनके भाई अक्षित रनौत और दो अन्य लोग बैठे हैं। इसके साथ कंगना ने लिखा, मणिकर्णिका फिल्म्स ने टीकू वेड्स शेरू के प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू कर दिया है। नवंबर के पहले हफ्ते से फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी। अपने इस पोस्ट के साथ कंगना ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी को भी टैग किया है।

कंगना ने पिछले महीने ऐलान किया था कि उनकी फिल्म टीकू वेड्स शेरू की टीम में नवाजुद्दीन सिद्दीकी शामिल हुए हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा था, हमारी टीम में आपका स्वागत है नवाजुद्दीन सर। हमारी पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ अभिनेता फिल्म टीकू वेड्स शेरू की टीम में शामिल हो गए हैं। हम अपने शेर को पाकर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

घर एक मंदिर में महाराजा अग्रसेन के भक्त की भूमिका में नजर आएंगी श्रेनु पारिख

अभिनेत्री श्रेनु पारिख जो इस प्यार को क्या नाम दूं? और इश्कबाज शो में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं, वह घर एक मंदिर-कृपा अग्रसेन महाराजा की में एक समर्पित लड़की गेंदा की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। उनके अनुसार, यह किरदार दर्शकों को खूब पसंद आएगा और लोग महाराजा अग्रसेन और उनकी शिक्षाओं के बारे में और जानेंगे। वह कहती है कि मेरा मानना है कि हर व्यक्ति के

पास एक विश्वास प्रणाली है, जीवन में एक मार्गदर्शक सिद्धांत है जो उन्हें अनिश्चित समय के दौरान आगे बढ़ने में मदद करता है। ये सीख और विश्वास जीवन जीने के लिए मार्गदर्शक बलों के रूप में काम करते हैं। हमारा शो एक सामाजिक-नाटक है जो कहानी और चरित्र के संबंध को दर्शाता है। महाराजा अग्रसेन व्यापारियों के अग्रवाल समुदाय के संस्थापक थे, और उनकी शिक्षाएँ और सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं।

आज का राशिफल

मेषः आवश्यकताएं बढ़ेंगी। आर्थिक तंगी हो सकती है। कर्ज से बचें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। शत्रु परेशान करेंगे। हानि नहीं पहुंचा पाएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

वृषभ : व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। नेत्र पीड़ा की संभावना। कुछ लाभ।

मिथुन : प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। योजना फलीभूत होगी। यात्रा के योग बनेंगे। लाभ होगा। राज्य से परेशानी हो सकती है। स्त्री को कष्ट।

कर्क : व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बढ़ेगी। हानि-लाभ का वातावरण बनेगा। पराक्रम बढ़ेगा। विजय मिलेगी, गर्व न करें। ईमानदारी से कार्य करते रहें।

सिंह : धनागम के अवसर बनेंगे। आ बैल मुझे मार की स्थिति निर्मित न होने दें। अकारण भय बना रहेगा। व्यापारी सोच-समझकर निर्णय लें।

कन्या : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। हानि, भय, कष्ट का वातावरण बनेगा। कार्यक्षेत्र में लाभ के आसार दिखेंगे।

तुला : प्रसन्नता रहेगी। कष्टों में वृद्धि के योग हैं। कुछ नए कार्य की संभावना सिद्ध होगी। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। थकान महसूस होगी। रोजगार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : व्यवसाय मनोनुकूल लाभ होगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। रोग घेरेंगे। चिंताएं बढ़ेंगी। शत्रु शांत होंगे।

धनु : धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अकारण भय व्याप्त होगा। शत्रु शांत होंगे। दौड़-धूप अधिक होगी। बुरी सूचना मिल सकती है। विवाद न करें।

मकर : प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख बनी रहेगी। मातृपक्ष से परेशानी होगी। दुर्घटना की संभावना। धन मिलने की परिस्थिति निर्मित होगी।

कुंभ : व्यवसाय ठीक चलेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। शत्रु शांत होंगे।

मीन : प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। शुभ समाचार की आशा बंधेगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। शत्रु षड्यंत्र रचेंगे।

बेहद जायकेदार है चिकन हैम हाई रोलर्स

रोजमर्रा के भारतीय नाश्ते को एक ब्रेक देना चाहते हैं? तो बनायें शेफ सब्यसाची गोराई के इस मेडिटरेनीयन इंस?पायर्ड चिकन हैम, और कैलिफोर्निया वॉलनट हाई रोलर्स को जिसको गार्लिक ह्यूमस, ताजे अनार के बीज, पार्सले, और वॉलनट के साथ परोसा जायेगा।

सामग्री :

1 टुकड़ा लवाश ब्रेड, 40 ग्राम चिकन हैम, 10 ग्राम प्रोसेस्ड चीज़, 5 ग्राम धनिया, 30 ग्राम ब्रेज़्ड प्याज, 25 ग्राम आइसबर्ग लेट्यूस, 10 ग्राम लोलो रोसो, 30 ग्राम ह्यूमस, 40 ग्राम भुनी हुई लाल और पीली मिर्च, 5 ग्राम कैलिफोर्निया वॉलनट्स साबुत, भुना हुआ, 30 ग्राम कटा हुआ कैलिफोर्निया वॉलनट्स, 15 ग्राम अनार, 2 ग्राम चिपटे पार्सले

ह्यूमस के लिए- 250 ग्राम सफेद चना, 75 ग्राम ताहिनी, 5 ग्राम लहसुन, 15 मिलीलीटर ऑलिव ऑयल, नमक स्वाद अनुसार, 60 मिलीलीटर नींबू का रस

विधि :

ह्यूमस के लिए- सफेद चने को रात भर पानी में भिगो दें। अगले दिन चने को उबालें और छान लें। सभी सामग्री को मिक्सर में एक साथ ब्लेंड कर लें। सीजनिंग को चेक कर लें। फिर रेफ्रिजरेट करें।

हाई रोलर्स के लिए- लवाश ब्रेड पर ह्यूमस को समान रूप से फैलाएं। इसे सलाद, कटे हुए वॉलनट्स, पनीर, चिकन हैम, धनिया, ब्रेज़्ड प्याज, मिर्च के साथ भरें। इसे अच्छी तरह और कस कर बेल लें ताकि यह खुले नहीं। इसे बराबर टुकड़ों में काट लें। पार्सले ,साबुत वॉलनट्स और अनार से गार्निश करें। ठंडा परोसें।

शब्द सामर्थ्य- 176

बाएं से दाएं
1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे
1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

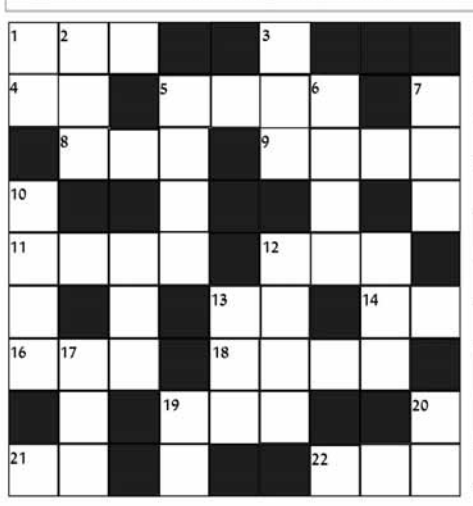

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 175 का हल

पं	क्ति	■	स्वा	द	■	स	ब	ब
जा	■	सु	हा	ना	■	■	ली	द
ब	हु	धा	■	द	ल	ना	■	ल
■	■	क	मा	न	■	ग	ह	ना
भं	व	र	■	■	■	वा	म	■
गी	त	■	म	ज	बू	र	■	ट
■	न	म	स्का	र	■	■	■	र
■	■	र्या	■	■	बी	■	ना	का
सं	वि	दा	■	ब	स	च	ल	ना

सू-दोकू- 176

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.175 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6